

19 $\frac{12}{23}$

बकील उपजपल उपारुपते। अवन बधु
व परावती का सुकलोकन किया। अतः
आदेश है कि प्राची प्रायतन गत तदमीतदा
धौलपुर द्वारा प्रस्तुत प्रायतन पर अनुसूचित
धारा 177 R.T. A विधु उपजावती गज खासिज
किया जाय है। विस्तृत निगीय हुलहु से
लिखाय जायत शाखिल परावती किया गया
परावती वैशाल सुगाए देकर नम्बर से
कम किया जायत दम्ब जायत वाखिल
दफ्तर ही।

सुपखण्डाधिकारी
धौलपुर (राज०)